ISWK SHARING KNOWLEDGE

दुःख का अधिकार , कक्षा - 9

©ISWK

लेखक परिचय

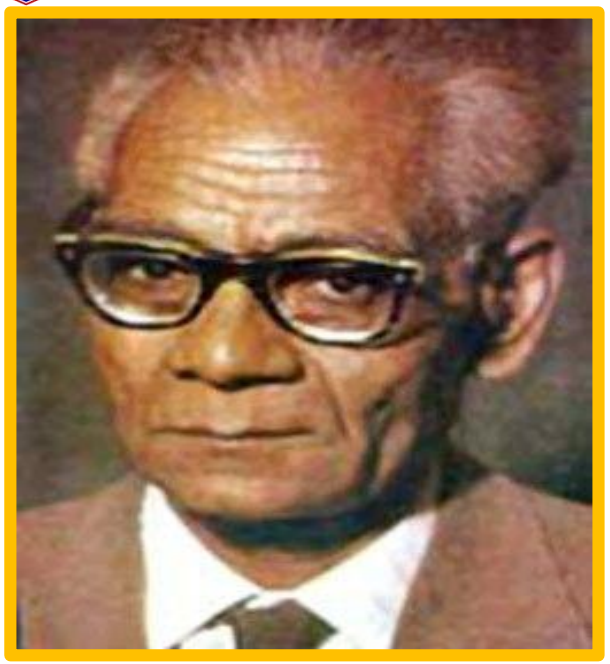

यशपाल
1903 - 1976

यशपाल का जन्म फिरोज़पुर में हुआ था ।
इन्होंने उच्च शिक्षा लाहौर में पाई ।
शहीद भगतसिंह के साथ मिलकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया ।
क्रांतिकारी गतिविधियों के कारण 14 वर्ष जेल की सज़ा भोगनी पड़ी ।

मध्यमवर्गीय जीवन के कलाकार हैं ।
साहित्य अकादमी पुरस्कार और पद्म-भूषण से सम्मानित किया गया ।
हिंदी के अलावा उर्दू और अंग्रेज़ी के शब्दों का भी प्रयोग किया है ।
प्रमुख कृतियाँ – देश द्रोही , झूठा सच ,पिंजड़े की उड़ान , फूलों का कुर्ता आदि ।

दुःख का अधिकार (para-1)

मनुष्यों की पोशाकें उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बाँट देती हैं। प्रायः पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्ज़ा निश्चित करती है। वह हमारे लिए अनेक बंद दरवाज़े खोल देती है ,परंतु कभी ऐसी भी परिस्थिति आ जाती है कि हम ज़रा नीचे झुककर समाज की निचली श्रेणियों की अनुभूति को समझना चाहते हैं ,उस समय यह पोशाक ही बंधन और अड़चन बन जाती है। जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देतीं, उसी तरह ख़ास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुक सकने से रोके रहती है।

कठिन शब्दार्थ

पोशाक – वस्त्र , clothes

श्रेणी – वर्ग, समूह ,category, दर्ज़ा – स्तर, class

परिस्थिति – हालात ,situation, अनुभूति – संवेदना , feeling

बंधन – कैद , प्रतिबंध, bond, अड़चन – बाधा , रुकावट , hurdle

गद्यांश – 2 (para- 2)

बाज़ार में , फुटपाथ पर कुछ खरबूज़े डलिया में और कुछ ज़मीन पर बिक्री के लिए रखे जान पड़ते थे । खरबूजों के समीप एक अधेड़ उम्र की औरत बैठी रो रही थी । खरबूज़े बिक्री के लिए थे ,परंतु उन्हें खरीदने के लिए कोई कैसे आगे बढ़ता ?खरबूजों को बेचनेवाली तो कपड़े से मुँह छिपाए सिर को घुटनों पर रखे फफक-फफककर रो रही थी ।

कठिन शब्दार्थ

खरबूज़ा – एक प्रसिद्ध फल , Musk melon

डलिया – टोकरी , basket

बिक्री - बेचना , sale

अधेड़ उम्र – आधी उम्र , Middle aged,

फफक-फफककर रोना – फूट-फूटकर रोना , cry eyes out

पृष्ठ संख्या page .no.(15)

पड़ोस की दुकानों के तख्तों पर बैठे या बाज़ार में खड़े लोग घृणा से उसी स्त्री के संबंध में बात कर रहे थे । उस स्त्री का रोना देखकर मन में एक व्यथा-सी उठी,पर उसके रोने का कारण जानने का उपाय क्या था ? फुटपाथ पर उसके समीप बैठ सकने में मेरी पोशाक ही व्यवधान बन खडी हो गई।

एक आदमी ने घृणा से एक तरफ़ थूकते हुए कहा , “क्या ज़माना है ! जवान लड़के को मरे पूरा दिन नहीं बीता और यह बेहया दुकान लगाके बैठी है।”

दूसरे साहब अपनी दाढ़ी खुजाते हुए कह रहे थे , “अरे ! जैसी नीयत होती है अल्ला भी वैसी ही बरकत देता है।”

कठिन शब्दार्थ

व्यथा – पीड़ा, दुःख , sorrow ,व्यवधान – बाधा , रुकावट , hurdle

थूकना – spitting ,बेहया – बेशर्म , shameless , दाढ़ी – beard

नीयत – इरादा,उद्देश्य,intention ,बरकत – वृद्धि , prosperity

पृष्ठ संख्या –page no. (15) contd

सामने के फुटपाथ पर खड़े एक आदमी ने दियासलाई की तीली से कान खुजाते हुए कहा, “अरे ! इन लोगों का क्या है ? ये कमीने लोग रोटी के टुकड़े पर जान देते हैं । इनके लिए बेटा-बेटी , खसम-लुगाई , धर्म-ईमान सब रोटी का टुकड़ा है ।” परचून की दुकान पर बैठे लालाजी ने कहा , “अरे भाई , उनके लिए मरे-जिए का कोई मतलब न हो , पर दूसरे के धर्म-ईमान का तो ख्याल करना चाहिए । जवान बेटे के मरने पर तेरह दिन का सूतक होता है और वह यहाँ सड़क पर बाज़ार में आकर खरबूज़े बेचने बैठ गई है । हज़ार आदमी आते जाते हैं । कोई क्या जानता है कि इसके घर में सूतक है । कोई इसके खरबूज़े खा ले तो उसका ईमान-धर्म कैसे रहेगा ? क्या अँधेर है !”

कठिन शब्दार्थ

दियासलाई – match stick
कमीना – नीच
खसम –लुगाई – पति –पत्नी
ईमान – विश्वास, belief
परचून – भोजन सामग्री
सूतक – अस्पृश्यता
अँधेर – अँधेरा , darkness

पृष्ठ संख्या -page-15(contd)

पास – पड़ोस की दुकानों से पूछने पर पता लगा-उसका तेईस बरस का जवान लड़का था। घर में उसकी बहू और पोता-पोती हैं । लड़का शहर के पास डेढ़ बीघा भर ज़मीन में कछियारी करके परिवार का निर्वाह करता था। खरबूजों की डलिया बाज़ार में पहुँचाकर कभी लड़का स्वयं सौदे के पास बैठ जाता , कभी माँ बैठ जाती।

लड़का परसों सुबह मुँह-अँधेरे बेलों में से पके खरबूज़े चुन रहा था । गीली मेड़ की तरावट में विश्राम करते हुए एक साँप पर लड़के का पैर पड़ गया। साँप ने लड़के को डँस लिया।

कठिन शब्दार्थ

बरस – वर्ष, year , बीघा – an Indian measurement of land (2500 sq.meters)

पोता – पोती – grand children, कछियारी – खेती, farming, निर्वाह – गुज़ारा

मुँह-अँधेरे – बड़े सवेरे , early morning, बेलों – creepers, तरावट – गीलापन , wetness

डँस लेना – bite (snake bite)

कुछ प्रश्न

1.मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्त्व है ?
2.खरबूज़े बेचनेवाली स्त्री से कोई खरबूज़े क्यों नहीं खरीद रहा था ?
3.भगवाना अपने परिवार का निर्वाह कैसे करता था ?
4. उस स्त्री के लड़के की मृत्यु का कारण क्या था ?
5. बाज़ार के लोग उस स्त्री के बारे में क्या-क्या कह रहे थे ?

धन्यवाद

©ISWK